**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्चतर शिक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्याः 411**

**उत्तर देने की तारीखः 13.12.2018**

**राष्ट्रीय अध्यापक प्रशिक्षण मिशन का मूल्यांकन**

**411. डा॰ विनय पी॰ सहस्रबुद्धेः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक प्रशिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के प्रारंभ से इसके प्रभाव का मूल्यांकन शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो इसका क्या परिणाम रहा है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क) से (ग): केन्द्रीय क्षेत्र की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक एवं अध्यापन मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी), जिसकी संपूर्ण भारत में कवरेज है, 900 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ दिसम्बर, 2014 में शुरू की गई थी और इस योजना को मार्च, 2020 तक जारी रखने के लिए अनुमोदित किया गया है। यह मिशन योग्य शिक्षकों की आपूर्ति, शिक्षण व्यवसाय में प्रतिभा को आकर्षित करने तथा स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि करने जैसे वर्तमान और अत्यावश्यक मुद्दों का समाधान करता है और शिक्षकों के सुदृढ़ व्यावसायिक कैडर के निर्माण संबंधी दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है तथा शिक्षकों के नवाचारी शिक्षण और व्यावसायिक विकास हेतु शीर्ष स्तरीय संस्थागत सुविधाओं का सृजन करता है।

पीएमएमएमएनएमटीटी योजना का राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) द्वारा बाह्य मूल्यांकन किया गया था और मूल्यांकन रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत की गई थी। बाह्य मूल्यांकन की रिपोर्ट <http://mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/document-reports/PMMMNMTT_Evaluation.pdf> लिंक पर देखी जा सकती है। बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षों में अन्य बातों के साथ-साथ कहा गया है कि यह योजना प्रमुख पहल है और ऐसी योजना को समर्थन दिया जाना चाहिए, इसे जारी रखा जाना चाहिए और इसे उच्चतर शिक्षा में नियमित कार्यक्रम बनाना चाहिए; यह योजना अधिगम परिणामों में वृद्धि करने तथा उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है; और यह योजना उच्चतर शिक्षा में शैक्षिक परिवर्तन करने के लिए बड़ी संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षाविदों और भारत की शीर्ष रैंक की संस्थाओं को संगठित करने में सफल हुई है।

\*\*\*\*